CLEAR YOUR "WHY"

क्यों सीखना चाहिए??

LAW OF ATTRACTION

SELF HELP BOOK

(हिंदी में)

आगे आने वाला समय कठिन हो सकता है,

अगर अभी से ध्यान न दिया तो इसको संभाल नहीं पाएंगे।

यदि खुद को और अपने परिवार को खुशियों भरा जीवन देना चाहते हैं,

तो थोड़ा सा समय दे कर यह पुस्तक जरूर पढ़ें।

प्रिय मित्र,

आप को मेरा नमस्कार,

क्या आप को मालुम है, कि मैं और आप ऐसे ही नहीं मिले। आप ने मुझे और मैंने आप को अपने जीवन में आकर्षित किया है। आप शायद इस बात पर विश्वाश नहीं कर पा रहे होंगे, लेकिन यह सच है। चूँकि आप आकर्षण के नियम को नहीं जानते और मैंने इसके बारे में बहुत पढाई की है , इसलिए मैं इस बात पर पूरी तरह से विश्वाश करता हूँ और आप को इसके बारे में अभी सीखना है। लेकिन, यकीन मानिये, आप बिल्कुल सही रास्ते पर आ चुके हैं। हमारे जीवन में कुछ भी ऐसे ही नहीं होता, उसके पीछे एक कारण होता है, जो हमारे विचारों में छिपा होता है। जैसे जैसे आप आगे की यात्रा मेरे साथ करते जाएंगे, आप धीरे धीरे सब समझने लगेंगे और जब आप अपने अंदर जरूरी बदलाव लाएंगे, तो अपने जीवन पर पूरा नियंत्रण रख पाएंगे, तो फिर आइये इसकी शुरुआत करते हैं।

<u>आज के युवा वर्ग की सबसे बड़ी कमीं</u>

मुझे माफ़ करियेगा, यह बात आप को ज्यादा पसंद नहीं आ रही होगी, लेकिन आज के ज्यादातर युवा वर्ग में एक बहुत बड़ी कमी है, और वह है " ***बहुत जल्दी में रहना*** "। सही मायने में देखें तो एक माहौल सा बन गया है और उस माहौल में रहने वाला हर व्यक्ति अपने आप वैसा ही बनता जा रहा है। जीवन बहुत तेज रफ़्तार से भागता जा रहा है और व्यक्ति किसी भी काम का सही तरीका सीखने में समय नहीं देना चाहता।

मैं दुनियां के लगभग ५० देशों में गया हूँ और मैंने पाया है कि हिन्दुस्तानियों के बारे में एक बात बड़ी प्रसिद्ध है, और वह यह कि हम काम निकालने में बहुत तेज होते हैं। किसी भी तरह से जुगाड़ लगा कर फसे हुए काम को आगे निकाल देते हैं, लेकिन उस काम को करने का सही तरीका नहीं अपनाते, इसलिए वह समस्या कुछ समय के लिए तो समाप्त हो जाती है, लेकिन कुछ समय बाद उससे भी बड़ी समस्या खड़ी हो जाती है। जब तक समस्या की जड़ पर पहुँच कर उसका निरंतर रहने वाला समाधान न किया जाए, वह समस्या बार बार आती रहेगी।

ऐसा ही कुछ जुगाड़ कर के हम अपने जीवन में पैसे कमाने और अमीर बनने का सपना पूरा करना चाहते हैं, लेकिन सही तरीका न जानने के कारण किसी तरीके से हम थोड़ा पैसा तो कमा लेते हैं, लेकिन कुछ समय बाद हम अपने आप को फिर से उसी स्थिति में पाते हैं।

यदि आप पैसे की इस समस्या से हमेशा हमेशा के लिए बाहर निकलना चाहते हैं, तो आप को सही तरीका जानना होगा। हो सकता हैं इस तरीके से परिणाम मिलने में कुछ समय लगे, लेकिन जो परिणाम मिलेंगे, वो सदैव रहने वाले होंगे।

<u>इस ब्रह्माण्ड को समझें</u>

यह ब्रह्माण्ड आप को सब कुछ दे सकता है, इसके लिए कुछ भी असंभव नहीं है, लेकिन उसे पाने के लिए इस ब्रह्माण्ड को समझना जरूरी है।

इस ब्रह्माण्ड के दो भाग हैं, जड़ और चेतन। जड़ मतलब "पदार्थ" और चेतन मतलब "ऊर्जा"। जो दिख रहा है, वह पदार्थ है और हर पदार्थ में एक ऊर्जा (जान) है, जिसकी वजह से या तो हम उसकी तरफ आकर्षित होते हैं या उससे दूर हटने की कोशिश करते हैं। बस ऊर्जा का स्वरुप बदलता रहता है। जो विज्ञानं के ज्ञाता हैं, वह इस बात को अच्छी तरह से समझते हैं। यदि इस जमीन में ऊर्जा न होती तो एक बीज से पूरा पेड़ कैसे बन जाता। हमारा शरीर पदार्थ है और हम उस शरीर में रहने वाली ऊर्जा हैं। हर जीव ऊर्जा है, हमारे विचार भी ऊर्जा हैं, हमारे शब्द भी ऊर्जा हैं। जल का प्रवाह भी ऊर्जा है, तारों में दौड़ता करंट भी ऊर्जा है और फूलों की सुगंध भी ऊर्जा है। ज्ञान भी ऊर्जा है, ताकत भी ऊर्जा है, खूबसूरती भी ऊर्जा है और **धन भी ऊर्जा है**। इसलिए, यदि आप ऊर्जा का नियम नहीं समझते तो आप इस संसार को सिर्फ ऊपरी रूप में देख रहे हैं, उसको महसूस नहीं कर पा रहे। यदि आप अपनी ऊर्जा को ठीक कर लें तो आकर्षण के नियम के तहत पैसा खुद ही आप के जीवन में प्रवाहित होने लगेगा।

हम स्वतंत्र नहीं हैं,

इस ब्रह्माण्ड के अभिन्न अंग हैं।

चुँकि इस ब्रह्माण्ड में सब कुछ ऊर्जा है, इसलिए सब कुछ आपस में जुड़ा हुआ है, हम में से कोई भी इससे अलग नहीं है। आप से कहा जाता है, कि ईश्वर से जुड़ने की कोशिश करो, इसके लिए समय निकालो, सच्चाई तो यह है कि हम उससे अलग हो ही नहीं सकते। आप ने सुना होगा कि ईश्वर से कुछ छिपता नहीं, उनको सब पता चल जाता है, लेकिन कैसे? जो दिखता नहीं हम उस पर विश्वाश नहीं कर पाते, तो फिर यह कैसे होता है? कंप्यूटर गूगल सर्वर से कैसे जुड़ें हैं? मोबाइल फ़ोन टावर से कैसे जुड़े हैं? तो क्या हम भी ब्रह्माण्ड से उसी तरह जुड़े हैं और हमारे मन का सारा data स्वतः ही ब्रह्माण्ड में transfer होता जा रहा है? फिर तो यह बहुत ही अच्छा है, यदि हम अपने मन को बदल लें, तो हमारे जीवन में सब अच्छी चीजें स्वतः ही आकर्षित होने लगेंगी।

हमारा सोचा हुआ क्यों नहीं होता?

क्या आप ने कभी सोचा है कि किसी व्यक्ति को जीवन में सब कुछ इतना आसानी से मिल जाता है और किसी को इतनी मन्नतें मांगने के बाद भी कुछ नहीं मिलता। कोई व्यक्ति इतना खुश है और कोई इतना दुखी। किसी के पास सब कुछ है और कोई पाई पाई को मोहताज है, तो प्रश्न यह उठता है कि समस्या कहाँ है, क्यों किसी की बात स्वीकार हो जाती है और किसी का तो प्रार्थना से विश्वाश ही उठ चुका है? "आकर्षण का नियम" कोई नयी बात नहीं है, इसके बारे में हमारी आध्यात्मिक पुस्तकों में सब कुछ लिखा है, चुँकि हम स्वयं अपनी आध्यात्मिक पुस्तकों को पढ़ने का समय नहीं निकालते और बस दूसरे की देखा देखी वैसे ही करने लगते हैं, जैसा वह व्यक्ति कर रहा है, तो सोचिये कि अगर वह व्यक्ति कोई गलती कर रहा है, तो हम भी उसके जैसी ही गलती करने लगेंगे। जो हम दूसरे के मुँह से सुनते हैं और जो हम देख पा रहे हैं, वो बिगड़ा हुआ स्वरुप है। यदि हम बिना जाने समझें इसका ऐसे ही पालन करते जाएंगे, तो हमको कभी भी हमारे परिश्रम का परिणाम नहीं मिलेगा।

सिर्फ मेहनत से जीवन नहीं बदलेगा।

मेहनत से काम करना बहुत जरूरी है, लेकिन सिर्फ मेहनत से कुछ नहीं होगा। हर व्यक्ति के पास दिन में २४ ही घंटे हैं, फिर बड़े, अमीर और सफल लोग क्या अलग करते हैं, जो वह अपने सारे सपनों को पूरा कर लेते हैं, और साधारण व्यक्ति सिर्फ मेहनत करता ही रह जाता है। एक अकेला व्यक्ति एक बूँद की तरह है, लेकिन अगर वह महसूस करे कि वह ब्रह्माण्ड की शक्ति से जुड़ा हुआ है तो वह एक सागर के सामान हो जाएगा। आकर्षण की शक्ति का सही प्रयोग कर के और ब्रह्माण्ड की शक्ति को अपने हित में काम करा कर बड़े कामों को किया जा सकता है और बड़े सपनों को साकार किया जा सकता है।

मित्रों

मैं बहुत सारे देशों में घूमा हूँ, मैंने भारत से अच्छे देशों को भी देखा है और उन देशों में भी गया हूँ जिनकी स्थिति अपने देश से कहीं ज्यादा ख़राब है। जो देश जितना ज्यादा विकसित है, उस देश के देशवाशी उतने ही ज्यादा ज्ञानी हैं। कोई भी देश वैसा ही होता है, जैसे उसके देशवाशी होतें हैं, यदि हम चाहते हैं कि हमारे देश का विकास हो, तो सबसे पहले हमें स्वयं का विकास करना होगा। यदि हर एक व्यक्ति अपना स्वयं का विकास कर ले, तो यह पूरा देश स्वयं ही विकास कर जाएगा। अपने स्वयं के विकास के लिए, सही रास्ता जानने के लिए, अपनी ट्रेनिंग पर ध्यान दें, अपनी ट्रेनिंग के लिए पैसे खर्च करें। आप जब मानसिक रूप से ऊपर उठ जाएंगे, तो पैसा स्वतः ही आप के जीवन में प्रवाहित होने लगेगा। याद रखिये, आप का मानसिक विकास आप के अलावा और कोई नहीं कर सकता।

सर्वे भवन्तु सुखिनः

सर्वे सन्तु निरामयाः

सर्वे भद्राणि पश्यन्तु

मा कश्चिदद्‌दुःखभाग्भवेत् ।

ॐ शान्तिः शान्तिः शान्तिः ॥

Website : https://bit.ly/knowthebrilliantbrain

Phone No : 7388858587, 9935320044